परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागी'', 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

संरक्षक सदस्य
श्री विजयकुमार जैन, रामचन्द्र नगर, इन्दौर

आजीवन सदस्य
डॉ. जयकुमार जैन, बबीना केण्ट
श्री राजेश कुमार जैन, दीन दयालनगर, झांसी
श्री जय भगवान जैन, रजत विहार, नोएडा
श्री आजादकुमार जैन, अमानगंज, पन्ना
श्रीमती कुसुम–स्व.श्री गुलाबचंद फणीश, इन्दौर
श्री अभयकुमार जैन, सांदिपन नगर, उज्जैन

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/–
सहयोग राशि	500/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC: SBIN0003134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की अपना नवीन पासपोर्ट साईज फोटो फोटोकॉपी के साथ मय जानकारी के कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/–
फुल पेज (अंदर)	5000/–
1/2 पेज	3000/–
1/4 पेज	1500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/–
शोक संदेश फोटो सहित	500/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/–

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु श्री राजेन्द्रकुमार जैन, हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड या पत्रिका कार्यालय 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर पर भेजें।

विदिशों में पयूर्षण पर्व धूमधाम से संपन्न हुआ

सुभाष जैन, मुंबई । जैन कम्युनिटी ऑफ नार्थ केलिफोर्निया (JCNC) द्वारा संचालित मिलपिटास, सेनफ्रांसिसको, अमेरिका में स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। प्रतिदिन प्रात: 8 बजे से 10.30 बजे तक अभिषेक एवं सामूहिक पूजा होती थी। समाजजन लगन से लयबद्ध तरीके से पूजा करते थे। भादो सुदी चौदस के दिन वासुपूज्य भगवान का मोक्षकल्याणक पर्व पर पूजा एवं निर्वाण कांड पढ़कर पर्व को हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। शनिवार, 6 सितम्बर को सामूहिक पूजन के बाद छोटे बच्चों द्वारा भी पूजा करायी गयी। शाम के समय, रात्रि में आरती एवं शास्त्र प्रवचन होता था। शास्त्र प्रवचन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम जैन अंताक्षरी, बच्चों द्वारा नाटक, प्रश्न मंच का आयोजन होता था। सवेरे पूजन के बाद तत्वार्थ सूत्र पर पंडितजी द्वारा प्रवचन होता था।

शास्त्र प्रवचन के लिये कोपरगांव (महाराष्ट्र) से श्री पं. अभय कुमारजी दगड़े को आमंत्रित किया गया था। मंदिरजी की पाठशाला में हिन्दी–गुजराती क्लासेस का भी संचालन होता है। मंदिर की लायब्रेरी में सभी जैन ग्रंथ एवं पुस्तकें उपलब्ध है। दसलक्षण पर्व में अवकाश के दिनों में प्रवचन के पश्चात स्वामी वात्सल्य का आयोजन होता था। एकासन करने वाले व्यक्तियों के लिये विशेष व्यवस्था थी। इससे पूर्व 2 अगस्त को मंदिर का 14वें वार्षिक उत्सव के अवसर पर पंच परमेष्ठी विधान का आयोजन भी किया गया।

आशीष जैन, वाशिंगटन डीसी। अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में समस्त जैन परिवारों ने पयूर्षण पर्व बहुत धूमधाम से मनाया गया। पयूर्षण पर्व पर भारत से आई डॉ. कमला मेहता ने दस धर्म और आठ कर्मों पर 10 दिन प्रवचन दिए। पयूर्षण पर्व के दिनों में शांति विधान किया गया और रविव्रत का उद्यापन भी किया गया। पयूर्षण पर्व के दिनों में वाशिंगटन डीसी के जैन मंदिर की 25वीं सालगिरह भी मनाई गयी, जिसमें बच्चों और बड़ो ने काफी उत्साह से भाग लिया। वाशिंगटन डीसी में नये जैन मंदिर के निर्माण के लिये लोगों ने बहुत उत्साह के साथ दान दिया। मंदिर के निर्माण की लागत 36 करोड़ रुपये अनुमानित है। मंदिर के भूमि पूजन का कार्य 13 सितम्बर को संपन्न हुआ जिसमें जैन समाज के सभी लोगों ने उत्साह के साथ पूजा करके प्रारंभ किया।

रोहित जैन, सिंगापुर। पर्वाधिराज पयूर्षण महापर्व का आयोजन बहुत ही उत्साह, उमंग और धार्मिक निष्ठा के साथ पूर्ण हुआ। इस वर्ष पयूर्षण में दिगम्बर जैन समाज, सिंगापुर को आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के शिष्य श्री कैलाशचन्द्रजी जैन (सीए, कलकत्ता) का अमूल्य पावन सानिध्य प्राप्त हुआ।

श्री वी.के. जैन के निज निवास वॉटरसाइड स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ जिन चैत्यालय में प्रतिदिन प्रात: श्रीजी अभिषेक, शांतिधारा एवं दशलक्षण विशिष्ट पूजन का आयोजन श्री के.सी. जैन के मार्गदर्शन में भावार्थ का विस्तार से व्याख्यान किया, जिसका लाभ भारी संख्या में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने अर्जित किया। प्रतिदिन संध्याकाल में उपस्थित श्रोतागण को श्री जिनवाणी के व्याख्यान का अनुपम लाभ प्राप्त हुआ, जिसमें मुख्यत: दशलक्षण धर्म की विशिष्टता, दैनिक जीवन में इसका महत्व एवं कर्मो के बंध तथा इसकी निर्जरा के बारे में विस्तार से वर्णन किया गया। पयूर्षण पर्व के दौरान श्री भक्तामरजी के महामंगल विधान का अनुष्ठान किया गया जिसमें भक्तामरजी की महिमा का विस्तार से वर्णन किया गया। प्रतिदिन प्रवचन के उपरांत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए जिसमें सभी वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रमों में विशेषत: छोटे बच्चों को प्रोत्साहित किया गया और जिन धर्म के प्रारंभिक ज्ञान एवं इसकी विशेषता से अवगत कराया। पयूर्षण पर्व का समापन क्षमावाणी के साथ संपन्न हुआ जिसमें सकल दिगम्बर जैन समाज सिंगापुर के सभी सदस्यों ने आपस में करुणा भाव रखकर एक दूसरे से क्षमायाचना की। दशलक्षण पर्व के दौरान सभी ने अपने भावों में निर्मलता का अनुभव किया और स्वाध्याय के जरिये अपनी आत्मा के वास्तविक स्वरुप को जानने का प्रयास किया। क्षमावाणी के उपरांत श्री के.सी. जैन का सादर सम्मान कर प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया।

कुण्डलपुर तीर्थ यात्रा संपन्न – अरविन्द जैन बाकल, जबलपुर। नगर के सभी मंदिरों में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पर्युषण पर्व बडे धूमधाम मनाया गया। संगम कालोनी में श्री 108 आचार्य गुरुवार विद्यासागर महाराज की आज्ञानुवर्ती शिष्या श्री 105 अपूर्वमति माता जी के ससंघ सानिध्य में मनाया गया। कालोनी वासियों ने बढ़ चढ़कर अनेको सुविधाएँ चन्द्राप्रभु जिनालय के लिए जुटाई। शिवनगर जैन मंदिर में आचार्य श्री शिष्या श्री 105 उपसान्त माता जी संसघ चातुर्मास हेतु विराजमान है। पर्व की समाप्ति पर समाजजनों ने बस द्वारा कुंडलपुर यात्रा का आयोजन किया। वहां पर बड़ेबाबा का विधान किया गया एवं नोहटा पर प्राचीन काल की मूर्तियों के दर्शन किए। दसवीं सदी की मूर्तियां मंदिर जी में विराजमान है जीर्णोद्धार हेतु समाज द्वारा राशि दी गई उसके उपरान्त गुबरा जैन मंदिर के दर्शन का लाभ यात्रिगणों ने लिया।

मेधावी विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग

विजया जैन, ललितपुर। जैन महासमिति वर्धमान महिला संभाग की सहयोगी संस्था वर्धमान एजुकेशनल चेरिटीटेबल ट्रस्ट (रजि.) ललितपुर द्वारा इंटरमीडियट में 75% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले, आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के विद्यार्थियों को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद प्रदान की गयी।

श्री अटामंदिरजी में विराजमान मुनिश्री सुबलसागरजी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम के प्रारंभ में मुनिश्री ने धर्मसभा को संबोधित किया। ज्ञान दान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में संस्कारवान उच्च शिक्षा प्राप्त नवयुवकों की महती भूमिका है इसलिए सभी छात्रों को अपने चरित्र को उज्ज्वल रखते हुए परिश्रम से पढ़ना चाहिए ताकि देश के निर्माण में वे अपना योगदान दे सके। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्राचार्य श्री अजय जैन ने बताया कि दो वर्षों के अपने अल्पकाल में अनेक विद्यार्थियों को सहायता प्रदान की गयी। सभी लाभार्थियों ने शिक्षा पूर्ण होने पर इसी तरह दूसरे छात्रों की मदद करने का संकल्प व्यक्त करते हुए महाराजश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर दि. जैन पंचायत के पदाधिकारियों में अखिलेश गद्यानां, संजीव कंडकी एवं ट्रस्ट के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।